ये अव्यक्त इशारे

सहजयोगी बनना है तो परमात्म प्यार के अनुभवी बनो

30-08-2025

वर्तमान समय भटकती हुई आत्माओं को एक तो शान्ति चाहिए, दूसरा रूहानी स्नेह चाहिए। प्रेम और शान्ति का ही सब जगह अभाव है इसलिए जो भी प्रोग्राम करो उसमें पहले तो बाप के सम्बन्ध के स्नेह की महिमा करो और फिर उस प्यार से आत्माओं का सम्बन्ध जोड़ने के बाद शान्ति का अनुभव कराओ। प्रेम स्वरूप और शान्त स्वरूप दोनों का बैलेन्स हो।

In order to be an easy yogi, be experienced in God's love.

At present, wandering souls need peace and spiritual love. Everywhere, it is love and peace that are missing. This are why, in whatever programmes you do, first of all praise the love in the relationship of the Father. Then, after forging a relationship of souls with the Father with that love, give them the experience of peace. Let there be a balance of being an embodiment of love and an embodiment of peace.